BS NEWS

बदलता स्वरूप

देवीपाटन मण्डल मुख्यालय गोण्डा से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website : www.badaltaswaroop.com

वर्ष : 12 अंक : 174 गोण्डा सोमवार 20 फरवरी, 2023 पृष्ठ : 4 R.N.I.NO.UPHIN/2011/40619 प्रातः संस्करण मूल्य–2 रुपया

गोरखपुर में सीएम योगी ने लगाया जनता दरबार...

सुनी लोगों की फरियादबोले- इलाज में पैसे की कमी नहीं होने देंगे

एजेंसी/ गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने आज यानी रविवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि धन के अभाव में किसी गरीब का इलाज बाधित नहीं होने दिया जाएगा। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर आयोजित जनता दर्शन में श्री योगी ने 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया कि, सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी प्राथमिकता है और सभी के साथ न्याय किया जाएगा।

सीएम ने सुनी लोगों की फरियादेंबता दें कि आज सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में जनता दरबार लगाया। इस जनता दरबार में 300 से अधिक लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान सीएम ने सभी की समस्याएं और परेशानियां को ध्यान से सुना और लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों को इस निर्देश के साथ हस्तगत किया गया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके रहते किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

सीएम ने अधिकारियों को दिए ये निर्देश सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा। जनता दर्शन में महिलाओं व अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की भी खासी भागीदारी रही। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर की गौशाला में गौ सेवा की। गोशाला में योगी ने जैसे ही नाम लेकर पुकारा, गोवंश उनके पास दौड़े चले आए। गोवंश उनके इतने समीप आ गए जैसे बच्चे अपने अभिभावक से लिपट जाते हैं। उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से गुड़ चना खिलाया।

मोदी के आने के बाद से पूर्वांचल में भाजपा ने अंगद की तरह अपने पांव गड़ा दिये हैं

एजेंसी/ नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के केंद्र में पूर्वांचल हमेशा बड़ी भूमिका निभाता रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से सांसद हैं। यह इलाका पूर्वांचल में आता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से ताल्लुक रखते हैं और वह इलाका भी पूर्वांचल में आता है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के दो प्रमुख सहयोगी दल अपना दल और निषाद पार्टी भी पूर्वांचल में ही अपना प्रमुख आधार रखती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मिर्जापुर से ताल्लुक रखते हैं जोकि पूर्वांचल में आता है। इसके अलावा देश के विभिन्न राज्यपालों के नामों पर गौर करेंगे तो भी पूर्वांचल की बहुतायत देखने को मिलेगी। हम आपको बता दें कि देश में अब पूर्वांचल से छह राज्यपाल हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में पूर्व केंद्रीय मंत्री और गोरखपुर छावनी के पूर्व विधायक शिव प्रताप शुक्ला को हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य लक्ष्मण आचार्य को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया है। लक्ष्मण आचार्य प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी से आते हैं। इसके अलावा, पूर्वी उत्तर प्रदेश के इस भोजपुरी भाषी क्षेत्र के अन्य राज्यपालों में जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शामिल हैं। मनोज सिन्हा केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। संसद में उन्होंने गाजीपुर का प्रतिनिधित्व किया है। इसके अलावा संसद में देवरिया लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके और लखनऊ से विधायक रह चुके।

भंडारी सीट पर सत्ताविरोधी लहर का सामना कर रहे

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एम. किकोन

एजेंसी/ भंडारी। म्होनलूमो किकॉन के पास सब कुछ है– वह पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं, एक प्रख्यात कवि

हैं और निवर्तमान सरकार के एक सलाहकार भी हैं। अगर सत्ता–रोधी लहर और उनके पूर्व करीबी सहयोगियों के बीच असंतोष को छोड़ दिया जाए, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक किकॉन वोखा जिले की भंडारी सीट से लगातार तीसरी बार जीत हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा, पिछले दो चुनाव में जीत का मामूली अंतर भी मौजूदा विधायक के लिए सिरदर्द बना हुआ है। पिछले दो चुनाव अभियानों में एम किकॉन के करीबी सहयोगी रहे एन. ओड्यूओ ने कहते हैं, "वह मिलते–जुलते नहीं हैं। वह जमीन से जुड़े हुए नहीं रह गए हैं। और उन्हें अपनी सीट खोकर खामियाजा भुगतना होगा। " ओड्यूओ ने अब नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) का दामन थाम लिया है और उसके उम्मीदवार अचुम्बेमो किकॉन के लिए समर्थन जुटाने में व्यस्त है। साल 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों में एम. किकॉन ने ए. किकॉन को क्रमशः 254 मतों और 312 मतों से हराया था। ए. किकोन ने दोनों बार एनपीएफ के टिकट पर चुनाव लड़ा था। एम. किकॉन ने 2013 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के टिकट पर जीत हासिल की थी और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। एनपीएफ के भंडारी विधान सभा क्षेत्र के अध्यक्ष ओड्यूओ ने कहा, "हमने एम. किकॉन के साथ काम किया था जब वह राकांपा के साथ थे और फिर जब वह भाजपा में चले गए थे।इसे ने शिवसेना को लेकर निर्वाचन आयोग के फैसले का स्वागत किया भी भाजपा के खिलाफ नहीं थे। लेकिन उन्हें टिकट दिए जाने के बाद हमने फिर से एनपीएफ उम्मीदवार को अपना समर्थन दे दिया।" भाजपा विधायक एम. किकॉन के समर्थक इससे अलग राय रखते हैं। भंडारी विधान सभा क्षेत्र के भाजपा मंडल के प्रमुख एन. शुंगदेमो किकॉन ने कहा, "बेशक, हमारा उम्मीदवार जीत रहा है। लोगों के उत्साह से हम जो अनुमान लगा सकते हैं, उससे इस बार उनकी जीत का अंतर काफी बढ़ जाएगा।

बी. डी. मिश्रा ने लद्दाख के उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली

एजेंसी/ लेह। ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी. डी. मिश्रा ने रविवार को लद्दाख के दूसरे उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने पूर्व आईएएस अधिकारी राधा कृष्ण माथुर की जगह ली। साल 2019 में लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से 27 महीने तक माथुर इसके उपराज्यपाल रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को माथुर का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद मिश्रा (83) को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया था।कर्नाटक का दौरा करेंगे भाजपा अध्यक्ष नड्डा अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल मिश्रा को जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह ने यहां राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में पद की शपथ दिलाई। इसके बाद लद्दाख पुलिस ने मिश्रा को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। मिश्रा 33 साल से अधिक समय तक सेवाएं देने के बाद 31 जुलाई, 1995 को सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने तीन अक्टूबर, 2017 को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में पदभार संभाला था।

बजट में राम मंदिर निर्माण की घोषणा जनता के लिए है

राजनीति के लिए नहीं : कर्नाटक के मुख्यमंत्री

एजेंसी/ कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि उन्होंने रामनगर जिले के रामदेवरा बेट्टा में लोगों की इच्छा के अनुरूप श्भव्य राम मंदिर के निर्माण की घोषणा की है और इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण नहीं है। उन्होंने इस संबंध में सभी से सहयोग का अनुरोध करते हुए कहा कि वहां मंदिर जरूर बनेगा। बोम्मई ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''मैंने कांग्रेस, जद (एस) या भाजपा को ध्यान में रखते हुए इसकी घोषणा नहीं की।

उस स्थान की एक ऐतिहासिक पहचान है, वहां ऐतिहासिक रामदेवरा बेट्टा (पहाड़ी) है, वहां लंबे समय से एक पुराना राम मंदिर है, और यह लोगों की इच्छा है कि वहां एक नया राम मंदिर बनाया जाए।श्र बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने लोगों की इच्छा के अनुरूप यह घोषणा की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसमें हर कोई सहयोग करेगा और कोई भी परियोजना का विरोध नहीं करेगा। उन्होंने कहा, ष्अगर कोई विरोध करना चाहता है, तो उसे करने दें। मैं विरोध नहीं करूंगा, लेकिन वहां राम मंदिर जरूर बनेगा।ष मुख्यमंत्री द्वारा शुक्रवार को बजट में यह घोषणा किए जाने के तुरंत बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा था, ष्वहां पहले से ही एक छोटा मंदिर है, अब उनके पास (सत्तारूढ़ भाजपा) निर्माण करने के लिए क्या है? उन्हें रामनगर में वहां पहले अपना पार्टी कार्यालय बनाने दें।ष जद (एस) के नेता एच डी कुमारस्वामी ने कहा था, ष्अगर उन्होंने (भाजपा) तीन साल पहले सत्ता में आने पर इसकी घोषणा की होती और मंदिर का निर्माण किया होता, तो मैं इसकी सराहना करता। अब, जब चुनाव नजदीक है तो उन्होंने घोषणा की है। यह बस बजट बुक में ही रहेगा।ष उन्होंने कहा, ''अगर राम मंदिर बनाना है, तो सत्तारूढ़ भाजपा ऐसा नहीं कर सकती। मुझे पता है कि अगली सरकार कौन बनाएगा, इसलिए मुझे यह करना होगा।

शिवसृष्टी थीम पार्क का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया उद्घाटन

शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर हुई शुरुआत

एजेंसी/ मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की 19 फरवरी को जयंती है। शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे

में शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित थीम पार्क शिव सृष्टि के पहले चरण के उद्घाटन किया।

हिंदुत्व के गौरव, धर्म संस्थापक सिद्ध पुरुष, साहस व पराक्रम की प्रतिमूर्ति और करोड़ों देशभक्तों की प्रेरणा रहे शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर शुरू हुए इस थीम पार्क के उद्घाटन समारोह में सिर्फ केंद्रीय गृहमंत्री ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज पर आधारित थीम पार्क के पहले चरण का उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिवसृष्टी के लिए इससे शानदार दिन नहीं हो सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने देश, धर्म, स्वभाषा और स्वराज के लिए जो भी योगदान दिया है उसके लिए उन्हें कोटि कोटि नमन।

पीएम मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज को रविवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके साहस एवं सुशासन पर उनके विचारों से प्रेरणा मिलती है। सन् 1630 में पैदा हुए शिवाजी को उनके पराक्रम, सैन्य कौशल एवं प्रखर नेतृत्व के लिए जाना जाता है। मोदी ने ट्वीट किया, ''मैं छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनके साहस एवं सुशासन पर उनके विचारों से हमें प्रेरणा मिलती है।'' उन्होंने अपना यह ट्वीट मराठी में किया। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही ट्विटर पर वर्षों से छत्रपति शिवाजी को अपने द्वारा दी जाती रही श्रद्धांजलि का एक दृश्य–श्रव्य 'मोंटाज' भी टैग किया।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरू बनेगा भारत

बोले- सीएम योगी के सलाहकार डॉ0 जीएन सिंह

एजेंसी/ लखनऊ। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज में चल रहे बीएएमएस के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि आयुर्वेद की महत्ता को आज पूरी दुनिया स्वीकार रही है। प्रदेश और देश में जिस तरह स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था के संवर्धन पर ध्यान दिया जा रहा है, वह इस बात का द्योतक है कि आने वाले समय में भारत स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरु बनेगा। डॉ सिंह ने आयुर्वेद को पूरे विश्व के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र का भविष्य बताते हुए बताया कि इस विधा में आज बहुत कुछ नया करने का अवसर है।

यूपी को मिले 33.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में यूपी को 33.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, इससे हर जनपद में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। शनिवार को दीक्षा पाठ्यचर्या के पहले सत्र में आचार्य साध्वी नंदन पांडेय ने वदतु संस्कृतम् एवं धनवंतरि वंदना का अध्ययन कराया। दूसरे सत्र में शिष्योपनयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिष्योपनयन का वर्णन प्राचीन चरक संहिता में मिलता है। उसी परम्परा के अन्तर्गत एवं महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गौरी गणेश, धनवंतरि पूजा, श्री गोरखनाथजी महाराज पूजा, हवन, विष्णुस्त्रोतम् का पाठ कराया गया। साथ ही चरक संहिता में वर्णित शिष्य और वैद्य के कर्तव्यरूपी वचन श्चरक शपथश दिलाया गया। रक्षासूत्र बंधन कर सभी आयुर्वेद विद्यार्थियों से एक सच्चे वैद्य और शिष्य के कर्तव्यों कों अंगीकार कर समाज की सेवा करने का संकल्प कराया गया।

सीएम योगी ने किया विधाई डिजिटल वीथिका का लोकार्पण, कहा– अब हिंदी और अंग्रेजी में विधानसभा के इतिहास को पढ़ सकेंगे लोग

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विधान भवन में 'विधायी डिजिटल वीथिका' का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य के विधानभवन का गौरवशाली इतिहास डिजिटल गैलरी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करेगा।अब विधानमंडल के गौरवशाली इतिहास से आने वाली पीढी होगी रूबरूमुख्यमंत्री ने डिजिटल गैलरी का लोकार्पण करते हुये कहा कि विधान मंडल के इतिहास को लेकर डिजिटल गैलरी का उदघाटन हुआ है। देश और दुनिया के सबसे बड़े राज्य विधानमंडल के गौरवशाली इतिहास से आने वाली पीढी और छात्र विशेष रूप से रूबरू होंगे। गैलरी में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विधानमंडल के 1887 से लेकर अब तक सभी महत्वपूर्ण घटना के दर्शन होंगे।

महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में बना गिनीज बुक रिकॉर्ड, अयोध्या को पछाड़ कर जलाए गए दिये

एजेंसी/ मध्य प्रदेश में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में नया विश्व रिकॉर्ड बना है। यहां शनिवार शाम यानी 18 फरवरी को क्षिप्रा

नदी के तट पर लाखों दीये प्रज्जवलित कर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। इस दौरान उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाकर नया रिकॉर्ड बनाया और गिनीज बुक में नाम दर्ज किया है। बता दें कि इस दौरान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम भी मौजूद रही। टीम के स्वप्निल डांगरीकर ने कहा कि उज्जैन से पहले तेल के दीये प्रज्जवलित करने का विश्व रिकॉर्ड दीपावली के मौके पर अयोध्या में बना था जहां 15.76 लाख दीये प्रज्ज्वलित हुए थे । इस बार इस रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाए गए है। जानकारी के मुताबिक क्षिप्रा नदी के तट पर इतनी बड़ी संख्या में दीप प्रज्ज्वलन के कार्य को करीब 20 हजार स्वयंसेवकों ने पूरा किया।

उन्होंने कहा कि दीयों को कम से कम पांच मिनट के लिए जलना था, जो कि सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन करने में स्थानीय प्रशासन के साथ नागरिकों के समूहों ने भी जी तोड़ मेहनत की है। दीप प्रज्जवलन के कार्यक्रम में खुद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी शिरकत की थी।

शिव सेना के नाम एवं चुनाव निशान को 'खरीदने' के लिए 2000 करोड़ रुपये का सौदा हुआ : संजय राउत

एजेंसी/ मुंबई। शिवसेना के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना पार्टी के नाम एवं निशान 'तीर–धनुष' को ''खरीदने'' के लिए अब तक ''2000 करोड़ रुपये का सौदा'' हुआ है। हालांकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े के विधायक सदा सर्वांकर ने इस दावे का खंडन किया और सवाल किया, ''क्या संजय राउत खजांची हैं।'' राउत ने एक ट्वीट में दावा किया कि 2000 करोड़ रुपये का शुरुआती आंकड़ा है और यह बात शत–प्रतिशत सच्ची है। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के करीबी एक बिल्डर ने उन्हें यह बात बतायी है।

राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि उनके दावे के पक्ष में सबूत हैं जिसे वह शीघ्र ही सामने लायेंगे। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को एकनाथ धड़े को असली शिवसेना की मान्यता दी थी और उसे चुनाव निशान 'तीर–धनुष' आवंटित करने का आदेश दिया था। पार्टी संगठन पर काबिज होने को लेकर चले लंबे संघर्ष पर 78 पन्नों के अपने आदेश में निर्वाचन आयोग ने उद्धव ठाकरे धड़े को उसे आवंटित किया गया चुनाव निशान 'जलती मशाल' महाराष्ट्र में विधानसभा उपचुनाव होने तक रखने की अनुमति दी। राउत ने रविवार को कहा कि 2000 करोड़ रुपये शिवसेना का नाम ''खरीदने'' के लिए कोई छोटी रकम नहीं है। उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग का फैसला एक सौदा है।''राउत ने ट्वीट किया, ''मुझे पक्की सूचना मिली है कि शिवसेना का नाम एवं पहचान पाने के लिए 2000 करोड़ रुपये का सौदा हुआ। यह शुरुआती आंकड़ा है तथा शत–प्रतिशत सच्ची बात है। कई बातें शीघ्र ही सामने लायी जाएंगी। इस देश के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ।'' उनसे जब महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस परोक्ष बयान के बारे में पूछा गया कि कुछ लोग ''विरोधी विचारधारा वालों के तलवे चाट रहे थे'', तब राउत ने कहा, ''वर्तमान मुख्यमंत्री क्या चाट रहे हैं? शाह क्या कहते हैं, महाराष्ट्र के लोग उसे (उस बात को) भाव नहीं देते? वर्तमान मुख्यमंत्री को छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम लेने का अधिकार नहीं है।''केंद्रीय योजनाओं का लाभ कुछ ही परिवारों को मिला रू हिमंत शाह ने शनिवार को कहा था कि जिन लोगों ने विरोधी विचारधारा के लोगों के ''तलवे चाटना' पसंद किया था, उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के धड़े को असली शिवसेना घोषित किए जाने और उसे 'तीर–धनुष' चुनाव निशान दिए जाने के बाद पता चल गया है कि सत्य किधर है।

सम्पादकीय

भीड़ के खतरनाक फैसले

राजस्थान के दो भाइयों के अपहरण, मारपीट और फिर उनको जिंदा जलाने की दिल दहला देने वाली घटना ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। पीड़ित परिवारों ने हत्या का आरोप गौ–रक्षकों व एक अतिवादी हिंदू संगठन तथा सीआईए पर लगाया है। बताया जा रहा है कि इनमें से एक भाई पर गौ तस्करी के कई मामले दर्ज रहे थे, लेकिन इसके बावजूद किसी को कानून अपने हाथ में लेने और अमानवीय कृत्य करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हालांकि, घटना की हकीकत व अपराधियों के कृत्य की वास्तविकता निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगी लेकिन घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी सख्त शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। यह घटना निश्चित तौर पर सांप्रदायिक तल्खी का वाहक बनेगी। इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है, लेकिन पुलिस प्रशासन का दायित्व बनता है कि मामले में तत्परता के साथ तार्किक जांच को अंजाम दिया जाये, जिससे तंत्र के प्रति पीड़ित पक्ष का विश्वास बना रहे। इसमें दो राय नहीं कि यह घटना किसी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है और आदिमयुगीन बर्बरता को ही दर्शाती है। 21वीं सदी के भारत में कानून हाथ में लेकर निर्ममता से किसी की जिंदगी को छीनना दुखद है। कृत्य कानून व्यवस्था के रखवालों पर सवाल उठाता है। इस मामले में कथित गौरक्षकों व संगठन विशेष से जुड़े हरियाणा के रहने वाले लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन पीड़ितों के परिजनों ने क्राइम इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी पर भी गंभीर आरोप लगाये हैं। निस्संदेह, यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जायेगी कि जिन पर कानून व्यवस्था को बनाये रखने का दायित्व था, वे ही असामाजिक तत्वों को शह देते नजर आये हैं। वाकई ऐसी घटनाएं अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षाबोध ा को जन्म देती हैं, जिसका लाभ राजनेता उठाने से नहीं चूकते। यह तय है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर जमकर राजनीति भी होगी और केंद्र व हरियाणा में डबल इंजन की सरकार निशाने पर रहेगी कि उनके शासन में कथित गौरक्षक खुली गुंडागर्दी करते नजर आ रहे हैं।

निस्संदेह, किसी समाज में किसी जीव विशेष का जीवन एक वर्ग के लिये आस्था का प्रश्न हो सकता है। लेकिन इसका मतलब कदापि नहीं हो सकता कि उसके लिये किसी व्यक्ति के साथ अमानवीय व्यवहार करके उसे जिंदा जला दिया जाये। विगत में भी राजस्थान व हरियाणा के कुछ इलाकों में गौरक्षा के मुद्दे पर मॉब लिंचिंग के प्रकरण सामने आये हैं। मेवात के इलाके नूंह में इस तरह के घटनाक्रमों के सामने आने की बात कही जाती रही है। बताते हैं कि हरियाणा व राजस्थान सीमा से लगने वाले इलाकों में खनन के ठेकों में वर्चस्व की लड़ाई भी कालांतर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का वजह बनती गई है। जिसकी प्रतिक्रिया गौरक्षा व गौ तस्करी के विवादों से भी जुड़ती रही है। इस इलाके में कुछ पुलिस अधिकारियों पर हुए प्राणघातक हमले भी इस क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई की परिणति बताये जाते रहे हैं। निस्संदेह, ऐसे मामलों पर पुलिस–प्रशासन को बेहद संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करना चाहिए। इससे समाज के अल्पसंख्यक वर्ग में व्याप्त असुरक्षा की भावना को खत्म करने में मदद मिलेगी। अन्यथा क्रिया–प्रतिक्रिया के चलते सामाजिक समरसता को भारी क्षति होती है। यह विडंबना ही है कि समय रहते ऐसे मामले में सत्ताधीशों द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जाती है, जिससे असामाजिक तत्वों को इस तरह के निर्मम हत्याकांडों को अंजाम देने का हौसला मिलता है। समाज में शांति व्यवस्था और सौहार्द बना रहे, इसके लिये पुलिस–प्रशासन को न्याय की आधारभूमि तैयार करने के लिये जांच व कार्रवाई को तार्किकता प्रदान करनी चाहिए। अन्यथा ऐसी घटनाओं से देश को विदेशों में भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। गाहे–बगाहे हमारा जन्मजात विरोधी पड़ोसी ऐसे मामलों को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बनाने में कभी नहीं चूकता, भले ही उसके देश में अल्पसंख्यकों के साथ अमानवीय क्रूरता के मामले जब–तब प्रकाश में आते रहते हैं। इस मामले में केंद्र व राज्य सरकार को समय रहते सख्त कार्रवाई करके व्यवस्था पर लोगों के भरोसे को कायम करना चाहिए।

बदलते दौर के गांव और अर्थव्यवस्था

ग्रामीण परिवारों की अर्थव्यवस्था भारत के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है, जो मुख्य रूप से कृषि आधारित ही रही है। सामान्यतया दो फसलों उन्हालू और स्यालू में पैदा हुए अनाज की बिकवाली से घर में सभी के लिए कपड़ा, दवा, पढ़ाई खर्च और शादी विवाह संपन्न होते थे। हमउम्र लोगों के कपड़े बहुध ा एक ही थान के कपड़े से दर्जी के यहां सिलवाए जाते थे।

इससे परिवारों में बराबरी या समानता न केवल दिखती थी, बल्कि महसूस भी की जाती थी। अगर किसी परिवार में परिवार के एक या दो सदस्यों की नौकरी लग गई तो अपने ही परिवार में उनकी आर्थिक हालत बदलने के कारण उनका सामाजिक स्तरीकरण बदल जाता था। ऐसे नौकरीपेशा लोगों ने अपने और बच्चों के लिए एक ही थान के वस्त्र सिलवाने की जगह बाजार से सिले–सिलाए वस्त्र खरीदने शुरू कर दिए जो धीरे–धीरे ब्रांडेड परिधान अपनाने लगे।

स्वाभाविक ही अर्थव्यवस्था का केंद्रीकरण शहरों की ओर होता गया और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी बढ़ने से निर्धनता आई। समाज के कमजोर वर्गों का जीवन स्तर बदतर होता गया। उत्पादक–रोजगार के अवसर कम हो गए। साक्षरता विशेषकर स्त्री साक्षरता और कौशल का विकास नहीं हो पाया।

अवसरों का अभाव और बेरोजगारी में वृद्धि आदि के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में बाधाएं आनी शुरू हो गई। ध ीरे–धीरे हमारी कृषक अर्थव्यवस्था मात्र औपचारिक अर्थव्यवस्था ही बनकर रह गई। फसल खराब होने, अपर्याप्त आय और वैकल्पिक रोजगार का सहारा न होने, ऋण न चुका पाने की स्थिति में बहुत सारे किसान अपने जीवन को ही समाप्त करने लगे।

सामाजिक स्तरीकरण के इस बदलाव में नामी–गिरामी कंपनियों ने अप्रत्यक्ष और कहीं–कहीं प्रत्यक्ष रूप से नकारात्मक भूमिका ही निभाई थी। इनकी इस भूमिका को हम आज भी अपने कृषक या अन्य समाजों में देख सकते हैं। एक समय आम रहे वस्त्र और पहनावे की तरह के कपड़ों को मशहूर कंपनियों का मुहर लगा कर लागत से कई गुणा ज्यादा मूल्य पर बेचा जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में ऐसे कपड़े के खरीदार का तो शोषण होता ही है, इससे गांव में कपड़े की सिलाई कर स्व–रोजगार में लगा दर्जी वर्ग बेरोजगार हुआ। इससे बड़ी–बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की असाधारण कमाई बढ़ी और देश का धन अन्य देशों में जाने लगा। यह प्रक्रिया गांव आधारित सामाजिक–आर्थिक ढांचे को तहस–नहस करने में मुख्य भूमिका अदा करती है।

जब कपड़ा, फर्नीचर, भवन–निर्माण, वैवाहिक कार्यक्रम आदि मामलों में ग्रामीण स्वावलंबन था, तो उसको अवसान पर लाने में रेडीमेड या तैयार और ब्रांडेड उत्पादों ने बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। नई व्यवस्था का आधार खरीदार, मजदूर, उपभोक्ता सभी के शोषण पर खड़ा है। इसमें केवल बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी को अन्य सभी हितधारकों की कीमत पर असाधारण लाभ होता है। देखा जाए तो ये स्थितियां बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने ही पैदा की हैं। भौतिकता आधारित संरचनाओं का प्रभाव कृषक प्रणाली पर पड़कर ग्रामीण अंचलों के सामाजिक तथा आर्थिक परिदृश्य को निरंतर नुकसान पहुंचा रही हैं।

वैश्वीकरण के इस दौर में कृषि का व्यावसायीकरण होना चाहिए, लेकिन कृषक अर्थव्यवस्था ग्रामीण परिवारों को बिना नुकसान पहुंचाए। इस दिशा में हमें प्राकृतिक कृषि पर बल देना होगा। किसानों की आमदनी अच्छी करनी होगी। घरेलू उत्पादों जैसे मत्स्य पालन, भेड़–पालन, मुर्गी–पालन, गुड़–निर्माण, मधुमक्खी पालन कृषि के बीजों की उत्तम व्यवस्था कम लागत पर रखने होंगे, ताकि किसानों को अधिक मुनाफा मिल सके। छोटे–छोटे स्वरोजगारों को अधिक बढ़ावा देना होगा। पश्चिम बंगाल, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि राज्यों में ग्रामीण परिवारों की अर्थव्यवस्था घरेलू उत्पादों पर ही टिकी है।

मगर यहां के किसान वैश्वीकरण के इस दौर में भूमिहीन श्रमिकों के रूप में बदलने को मजबूर होते जा रहे हैं। खाद्य असुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट इनकी मुख्य समस्या बनती जा रही है। कृषक बाजार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संदर्भ में क्षतिग्रस्त होते जा रहे हैं। परिवार पहले उत्पादन का केंद्र होता था। एक ही परिवार के सदस्य विभिन्न प्रकार के कार्य किया करते थे, जैसे–कोई खपच्ची से खांची (डलिया) बनाता था तो कोई सूत कातता था। इसके अतिरिक्त बहुत से परिवार कुटीर–उद्योग धंधों को कृषि के अतिरिक्त खाली समय में किया करते थे। अब ग्रामीण परिवार उत्पादन का केंद्र नहीं रह गए हैं। यहां अब समुचित अर्थव्यवस्था की संकल्पना दिखाई नहीं देती है। अधिकतर लोग संकटकाल की स्थिति में जीवन–यापन कर रहे हैं। वे केवल जी रहे हैं, समुचित जीवन नहीं जी रहे हैं।दरअसल, ग्रामीण इलाकों में शहरी अर्थव्यवस्था बढ़ी है, जिसके कारण रोजी–रोटी के अवसर बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था के अंतर्संबंधों ने कई दूसरे व्यवसायों को जन्म दिया है। ग्रामीण परिवारों की अर्थव्यवस्था का सर्वांगीण विकास खेतिहर वस्तुओं और औद्योगिक उत्पादों की कीमतों में सामंजस्य बैठाकर ही किया जा सकता है।

विभाजित विपक्ष की अनदेखी और लोकतंत्र

संसद के दोनों सदनों में हंगामा हुआ था। दोनों जगह विपक्ष अपनी मांगें मनवाने के लिए लगातार शोर करता रहा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस के दौरान प्रधानमंत्री एक घंटे से अधिक समय तक बोलते रहे थे। उनका भाषण देश ने शोर–शराबे के बावजूद पूरा सुना। बहुत तीखा भाषण था प्रधानमंत्री का। उनका बोलने का अंदाज भी उतना ही तीखा था। उनके इस भाषण में कुछ विशेष नया नहीं था, पर विपक्ष की लगातार नारेबाजी ने स्थिति को कुछ नया अवश्य बना दिया था। स्थिति यह थी कि संसद के टीवी कैमरे सिर्फ प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ दल को ही दिखा रहे थे, विपक्ष का सिर्फ शोर कुछ–कुछ सुनाई दे रहा था। देखना चाहता था कि देश के निर्वाचित सांसद संसद में कैसे व्यवहार कर रहे हैं। संसद की कार्यवाही सीधी दिखाने की व्यवस्था भी इसीलिए की गयी है, ताकि मतदाता उसे देखकर सांसदों के व्यवहार के बारे में अपने विवेक के अनुसार निर्णय कर सके। यह नागरिक का अधिकार भी है। पर उस दिन मैं अपने इस अधिकार से वंचित कर दिया गया था।

नहीं, यह कहीं नहीं कहा गया कि संसद के टीवी के अधिकारियों को किसी ने विपक्ष का चेहरा न दिखाने का निर्देश दिया था, पर सही यह भी है कि सदन के पीठासीन अधिकारी के निर्देश के बिना ऐसा होना भी तो नहीं चाहिए। यह पीठासीन अधिकारी के अधिकार की बात हो सकती है, पर एक नागरिक के नाते मैं तो अपने अधिकार से वंचित हुआ ही! लेकिन क्यों?

यही सवाल लोकसभा के अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति द्वारा कार्रवाई से निकाल दिये गये शब्दों के बारे में भी उठ सकता है। लोकसभा में कांग्रेसी नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषणों में से कुछ अंश आपत्तिजनक मानकर कार्रवाई से निकाल दिये गये हैं। ये दोनों इसका विरोध कर रहे हैं, इनका कहना है कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा जिसे आपत्तिजनक माना जाये। निश्चित रूप से यह अध्यक्ष या सभापति के अधिकार क्षेत्र में ही आता है कि यदि सदनों में कुछ आपत्तिजनक कहा गया है तो उसे कार्रवाई से हटा दिया जाये। इस हटा दिये गये अंश को मीडिया प्रसारित नहीं कर सकता।

पर टीवी पर संसद की सीधी कार्रवाई दिखाने के इस युग में प्रसारित होने के बाद कुछ कहे–किये को आपत्तिजनक घोषित करके संसद की कार्रवाई से हटा दिये जाने का आखिर क्या अर्थ रह जाता है? क्या इसीलिए उस दिन नारे लगाते विपक्षी सांसदों का चेहरा टीवी पर नहीं दिखाया गया था कि कुछ तो छिपा रह जाये? सत्तारूढ़ दल और विपक्ष, दोनों, के सांसदों और विधायकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मर्यादाओं का पालन करेंगे, और ऐसा कुछ नहीं कहेंगे या नहीं करेंगे जिससे संसद या विधानसभा की गरिमा पर आंच आये। सभ्यता का भी यही तकाजा है और संस्कृति का भी। पर हमारी विधायिका के सदस्य आये दिन ऐसा कुछ करते दिखाई देते हैं जो अनुचित लगता है। इस ताजा प्रकरण में ही देखें। सदन में सत्तारूढ़ दल के लोग बेंच थपथपा कर मोदी–मोदी के नारे लगा रहे थे और विपक्ष अडानी–अडानी के नारे लगा रहा था। इस शोर–शराबे के औचित्य पर सवालिया निशान लगना ही चाहिए। हमारे नेताओं को यह समझना होगा कि संसद और सड़क में अंतर होता है। यह सही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लड़ाई संसद में भी चलती है और सड़क पर भी, पर दोनों जगह, यह अपेक्षा की जाती है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों का व्यवहार मर्यादित रहेगा। दुर्भाग्य से, अक्सर मर्यादा का पालन नहीं होता। यह चिंतनीय विषय है, इस पर चिंता भी होनी चाहिए और चिंतन भी।अक्सर विपक्ष को यह शिकायत रहती है कि उसे अपनी बात रखने का समुचित अवसर नहीं मिलता। और यह शिकायत हमेशा रही है। जब जो विपक्ष में होता है उसे सत्तारूढ़ पक्ष का व्यवहार अनुचित लगता है। सदन में अध्यक्ष या सभापति के आसन के पास आकर नारेबाजी करना या बहिर्गमन कर जाना विपक्ष को विरोध का एक स्वाभाविक तरीका लगता है। संसद के सदनों में जब वर्तमान सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की भूमिका में था तो उसके नेतृत्व द्वारा यह तर्क दिया गया था कि कार्रवाई न चलने देना भी एक कार्रवाई का ही हिस्सा है। विरोध प्रकट करने का यह भी एक तरीका है। सत्तारूढ़ पक्ष जब बहुत ताकतवर होता है, जैसा कि अब है, और जैसा राजीव गांधी के जमाने में था, तो विपक्ष अपने को असहाय महसूस करने लगता है। ऐसे में उसे सदन की कार्रवाई में रुकावट डालना भी उचित लगने लगता है। जनतांत्रिक परंपराओं का तकाजा है कि ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ दल थोड़ा उदार बने। विपक्ष को अवसर दे अपनी बात कहने का। पीठासीन अधिकारियों से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वे विपक्ष के अधिकारों की रक्षा के प्रति, और उसके कर्तव्य को निभाने मे मददगार होने के लिए अतिरिक्त सजगता बरतें। जनतांत्रिक प्रणाली के औचित्य और सफलता का भी यही तकाजा है कि कोई भी पक्ष जन–समर्थन की ताकत का दुरुपयोग न करे। आज यदि किसी पक्ष के पास जन–समर्थन की बड़ी ताकत है तो कल यही स्थिति किसी दूसरे पक्ष की भी हो सकती है। तब वह भी अपने जन–समर्थन का गलत फायदा उठायेगा। इसीलिए जनतांत्रिक व्यवस्था में सभी से एक संतुलित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

एक बात और भी है जो हमारे राजनीतिक दलों को, विशेषकर सत्तारूढ़ पक्ष को, याद रखनी चाहिए। वह यह कि हमारे जनतंत्र में जिसके पास बाकियों से अधिक जन–समर्थन हो वह शासन करता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके पास पूर्ण बहुमत है। आज हमारी संसद में जो स्थिति है उसके अनुसार सत्तारूढ़ दल के पास लगभग चालीस प्रतिशत जनता का समर्थन है। इसका मतलब है लगभग साठ प्रतिशत समर्थन विभाजित विपक्ष के पास है। इस विभाजित विपक्ष की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। सत्तारूढ़ पक्ष के पास मात्र चालीस प्रतिशत समर्थन का कवच ही है, यह बात भुलायी नहीं जानी चाहिए। जब कोई प्रधानमंत्री छाती ठोक कर 'रक्षा कवच' की दुहाई देता है तो उसे यह भी समझना चाहिए कि साठ प्रतिशत मतदाताओं ने उसके विरोधियों को समर्थन दिया है। इस समर्थन को न तो कम आंका जाना चाहिए और न ही इसकी उपेक्षा होनी चाहिए। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था सबके अधिकार की रक्षा करने वाली है। इस सोच को सम्मान मिलना ही चाहिए। सबके अधिकार का मतलब यह भी है कि मतदाता को यह अवसर भी मिले कि वह अपने प्रतिनिधि की कथनी–करनी को देख–सुन सके। सदनों की सीधी कार्यवाही की व्यवस्था का भी यही मतलब है।

पाकिस्तान का बढता संकट

प्रधानमंत्री शरीफ के नेतृत्व में 9 पार्टियों ने एकजुट होकर इमरान खान को प्रधानमंत्री के पद से बेदखल जरूर कर दिया,पर प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को एक खस्ताहाल पाकिस्तान ही मिला है। चारों तरफ भुखमरी ,गरीबी, मुद्रा संकट, महंगाई, बेरोजगारी,सेना तथा सरकारी कर्मचारियों का जबरदस्त विरोध ा ही नई सरकार के हाथ लगा है। शहबाज शरीफ एक समस्या को सुलझाने जाते हैं तो दूसरी बड़ी समस्या सिर्फ उठा कर खड़ी हो जाती है। ऐसे में प्रधानमंत्री शरीफ सिर्फ हाथ में हाथ धरे बैठे रह जाते हैंस मुद्रास्फीति तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बैलेंस को कम करने के लिए सहवाग शरीफ ने पेट्रोल गैस बिजली और आवश्यक वस्तुओं के दाम अचानक बढ़ा दिए,जिससे वहां की पूरी आवाम शाहबाज शरीफ के विरोध में सड़क पर आ गई है, पेट्रोल के दाम अचानक 27: और बिजली प्रति यूनिट 30 प्रतिशत बढ़ाने से जनता में त्राहि–त्राहि और रोष व्याप्त हो गया हैस आटा उपलब्ध नहीं है प्याज पहुंच से बाहर है रोटी की कीमत 25 से 35 हो गई है। सरकार के खिलाफ जगह–जगह प्रदर्शन और जुलूस निकाले जा रहे हैं, दूसरी तरफ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगातार रैलियां कर के आम जनता को प्रधानमंत्री तथा उनकी पार्टी के विरुद्ध भड़काने का काम कर रहे हैस ऐसे में सहवास शरीफ की सरकार जनता का ध्यान भटकाने के लिए कोर्ट के आदेश से गिरफ्तार करने की तैयारी में है। सरकार चलाने के लिए मंत्रिमंडल के पास मुद्रा कोष भी अब खाली हो गया है। विदेशी सहायता बंद होने लगी हैं,चीन ने अपनी सारी परियोजनाओं को बंद कर पाकिस्तान को मौद्रिक सहायता देना बंद कर दिया हैस ऐसे में प्रधानमंत्री शरीफ की सरकार ने जनता का ध्यान हटाने के लिए वहां की न्यूज एजेंसी के अनुसार इमरान खान को बलि का बकरा बनाने योजना बना ली है और इमरान खान उनके सहयोगियों पर बंदूके तथा हथियार रखने के आरोप में कई एफआईआर की गई है एवं उन पर देशद्रोह का मामला चला कर गिरफ्तार कर सजा दिलवाने की तैयारी की है। दूसरी तरफ इमरान खान को लगातार जान से मारने की धमकियां भी मिल रही है। उल्लेखनीय है कि इमरान खान तथा उनकी पार्टी के लाखों–करोड़ों समर्थक हैं उनमें से उनकी पार्टी के सांसद ने प्रधानमंत्री शरीफ और उन के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से धमकी दी है की उनकी पार्टी के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कोई नुकसान होता है तो पूरे देश में आत्मघाती हमले किए जाएंगे। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पीटीआई पार्टी से ताल्लुक रखने वाले नेशनल असेंबली के सदस्य अत्ताउल्लाह ने ट्विटर पर शेयर करते हुए एक वीडियो में कहा अगर इमरान खान के सिर का एक बाल भी बांका हुआ तो देश चलाने वालों को चेतावनी दी जाती है कि ना तुम रहोगे ना तुम्हारे बच्चे और आत्मघाती हमला करने वाले में सबसे पहले बनने वाला व्यक्ति मैं रहूंगा और मैं किसी को नहीं बचाऊंगा ,हमारी पार्टी के हजारों कार्यकर्ता ऐसा करने के लिए तैयार है, यह गौरतलब है कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान में जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं और उन्होंने अदालत में एक आवेदन भी प्रस्तुत किया हैस हालांकि इमरान खान को व्यक्तिगत सुरक्षा विशिष्ट रूप से दी गई है, और इमरान खान के हवेली के बाहर सुरक्षा का घेरा भी मजबूत कर दिया गया है। इमरान खान की विरोध ा में आने के बाद शरीफ की सरकार हिलती नजर आने लगी है,वैसे भी नई सरकार को ज्यादा ज्यादा 6 माह तक और सत्ता करने का सुख ही मिल पाएगा उसके बाद चुनाव आचार संहिता की घोषणा के पश्चात शरीफ अपनी मनमानी नहीं कर पाएंगे। पाकिस्तान में यह भी अफवाह है कि पाकिस्तान अब बहुत जल्दी श्रीलंका की तरह दिवालिया होने की कगार पर है उसके पास 2 माह का खर्चे का मुद्रा कोष शेष है यदि किसी देश ने उनकी मदद नहीं की तो पाकिस्तान में आने वाले समय में आवश्यक वस्तुओं पेट्रोल डीजल बिजली के दाम चरम पर होंगे। सरकार के पास सरकारी कर्मचारियों को खजाने से देने के लिए पैसे भी नहीं है ।इस तरह खस्ताहाल पाकिस्तान श्रीलंका अफगानिस्तान की तरह आर्थिक बोझ के तले दिवालिया घोषित हो सकता है, और अपनी आतंकवादी पोषण की नीति के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी सहायता करने के लिए कई देशों को कई बार विचार करने की आवश्यकता पड़ेगी। इन परिस्थितियों में संयुक्त संघ ही पाकिस्तान का एकमात्र सहारा होगा ,किंतु अभी रूस यूक्रेन युद्ध में पाकिस्तान द्वारा रूस का समर्थन किए जाने के पश्चात अमेरिका तथा यूरोपीय देश भी पाकिस्तान के विरुद्ध हो चुके हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ जो अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के ईशारे पर चलता है पाकिस्तान को मदद करने में कई बार सोचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

डा अविनाश पांडेय ने नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया

गोंडा। बाबा बालेश्वरनाथ मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर एस एन पांडेय मेमोरियल हास्पिटल वजीरगंज के डा अश्विनी कुमार पांडेय, डा अविनाश पांडेय, डा आकृति पांडेय, डा रवी ने शनिवार शाम

तक प्रसाद वितरण किया और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में सैकड़ों भक्तों ने जांच कराई फिर दवाइयां ली। कई मरीजों को व्यायाम करने को चिकित्सकों ने बताया। आयोजन में डा ओपी भारती, अवधेश पांडेय समाजसेवी शशिधर पांडेय, अंकित पांडेय, प्रमोद शुक्ला, आद्या प्रसाद पांडेय, विजेंदर पाठक, रामजी तिवारी, अंकित पांडेय उपेंद्र सिंह, महेश सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे रहे।

ट्रैक्टर खाई में पलटा चालक को आई गम्भीर चोट जिला अस्पताल रेफर

श्रावस्ती। जनपद के मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणपुर गंगापुर के निकट एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खाई में पलट गया और चालक दब गया जिसे स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस की सहायता से बाहर निकाल कर सीएचसी मल्हीपुर भेजवाया।

जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर गंगापुर निवासी 18 वर्षीय संजय पासी पुत्र ननके ट्रैक्टर लेकर कृषि कार्य के लिए खेत जा रहे थे जैसे वह ट्रैक्टर लेकर गाँव के बाहर कुछ दूर पर निकले कि अचानक चलते ट्रैक्टर पर से चालक ने नियंत्रण खो दिया जिससे वह खाई में पलट गया और चालक दब गया। आसपास के तमाम लोग दौड़े आये तभी सूचना पर दलबल के साथ मौके पर पहुँचे थानाध्यक्ष रामपाल यादव ने चालक को जख्मी अवस्था मे नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर भेजवाया जहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद चालक को जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया है।

शांतिभंग की आशंका के मद्देनजर पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही

गोण्डा। जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न मामलो में शान्ति भंग की आशंका के मद्देनजर जनपद के विभिन्न थानों से कुल–16 व्यक्तियों को अन्तर्गत धारा–151ध्107ध्116 सीआरपीसी में गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया तथा भारी से भारी जमानत मुचलके से पाबन्द कराया गया।

02 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान में जनपद गोंडा के थाना कोतवाली देहात पुलिस ने 02 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया।

अवैध मादक पदार्थ के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

गोण्डा। थाना को0 नगर पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियुक्त नासिर अहमद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 77 टेबलेट अल्प्राजोलम (अवैध मादक पदार्थ) बरामद किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध थाना को0नगर में एन0डी0पी0एस0 एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का हुआ स्वागत

कर्नलगंज गोंडा। कांग्रेस नेता व विधानसभा क्षेत्र कर्नलगंज के पूर्व प्रत्याशी त्रिलोकी नाथ तिवारी के नेतृत्व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी व क्षेत्रीय अध्यक्ष नकुल दुबे का कार्यकर्ताओं ने फूल मलाओं से

जोरदार स्वागत किया। वह हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के मद्देनजर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनके साथ बैठक करते हुए संगठन को मजबूत करने विषय पर चर्चा करने जिले में आये हैं। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी। कटरा घाट स्थित स्थित सरयू नदी पुल क्षतिग्रस्त होने पर तंज कसते हुए कहा। कि मोदी है तो मुमकिन है, कोई दिक्कत नहीं है, चलता रहेगा ऐसे लोगो को आश्वासन पर आश्वासन मिलता रहेंगा। और लोग उनके पीछे दौड़ते रहेंगे की आश्वासन दिया है। अब हो पूरा जाएगा और जब तक उनके पीछे दौड़ते रहेंगे तब तक देश बरबाद हो जाएगा।

शिकायत करने पर जेल भेजने की धमकी कर्नलगंज

गोंडा। कोतवाली कर्नलगंज अंतर्गत ग्राम जहांगिरवा निवासी लल्लू ने ऑनलाइन शिकायत करने के साथ ही भंभुआ पुलिस चौकी पर तहरीर दिया है। जिसमें कहा गया है कि उसके दरवाजे के सामने ग्राम समाज की सरकारी भूमि है। जिसमें गांव के ही कुछ लोग जबरन मकान का निर्माण करवा रहे हैं। पीड़ित ने बताया कि उसने 1076 पर फोन करके शिकायत किया। और पुलिस चौकी भंभुआ में तहरीर दिया जिस पर पुलिसकर्मियों ने रुपए की मांग की। रुपया न दे पाने पर उसे जेल भेजने की धमकी दी और कहा कि जब तब तुम वापस आओगे तब तक उस भूमि पर मकान का निर्माण हो जायेगा। पीड़ित का आरोप है कि उससे पुलिस वालों ने जबरन सादे कागज पर अंगूठा भी लगवा लिया है। भंभुआ पुलिस चौकी प्रभारी उमेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में नहीं है फिर भी यदि ऐसा है तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

महाशिवरात्रि के अवसर पर भजन कीर्तन और भंडारे का हुआ आयोजन

अयोध्या –भक्तिमय माहौल में सैकड़ो श्रद्धालुओं ने दो दिवसीय हनुमान चालीसा पाठ एवं हनुमंत यज्ञ में भागीदारी कर हनुमान जी की महिमा का श्रवण कर भक्ति रस में डूब कर हर्षोउल्लास से विविध कार्यकमों में शामिल हो, धूमधाम से मनाया महाशिवरात्रि का पर्व।

बीकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत शिवतर के कुशहा गांव में 16 फरवरी से आरंभ हुआ हनुमान चालीसा पाठ एवं विश्व कल्याण एवं सनातनीय धर्मोत्थान के लिए हनुमंत यज्ञ महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर संपन्न हुआ जिसमे सैकड़ो क्षेत्रवासियों ने उपस्थित होकर आहुति प्रदान किया तथा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया, कार्यकर्म के आयोजक युवा भाजपा नेता जिलामंत्री दिल्ली प्रदेश, धर्मेंद्र पाण्डेय ने बताया की प्रतिवर्ष ऐसे पवित्र कार्यकर्म करते आ रहे है और विश्व कल्याण की भावना के चलते सबकी सुख समृद्धि के लिए संकटमोचन हनुमान जी की स्तुति एवं देवाधिदेव भोलेबाबा एवं माँ पार्वती के पावन पर्व महाशिवरात्रि पर भजन कीर्तन व भंडारे का आयोजन क्षेत्रवाशियों के सहयोग से किया जाता है जिसमे क्षेत्रीय तथा दूरदराज के सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित होकर भक्तिमय माहौल के आनंद से सरोबोर होते है, कार्यकर्म को आचार्य अमरदेव त्रिपाठी द्वारा विधिविधान अनुसार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर आयोजक धर्मेंद्र पाण्डेय, गौतम पाण्डेय, विनय पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, विमलेश पाण्डेय, रमेश मिश्रा, आदि सैकड़ो क्षेत्रवासी उपास्थि रहे.

बस चालक की हुई पिटाई

कर्नलगंज गोंडा। हल्की सी ठोकर लगने पर रोडवेज बस चालक की बाइक सवार युवकों ने जमकर पिटाई कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को सीचसी पहुँचाया जहां उसका इलाज हुआ। जानकारी के अनुसार रविवार को बहराइच की तरफ से आ रही एक रोडवेज

बस से जगदीसपुर के पास किसी व्यक्ति को अनजाने मे हल्की सी ठोकर लग गई थी।चालक अपनी बस लेकर कर्नलगंज के हुजूरपुर रेलवे क्रासिंग पर पहुंचा जहां गेट बंद था। उसी बींच पीछे से पहुंचे बाइक सवार युवकों ने चालक को बस से नीचे उतार लिया और जमकर पिटाई करने लगे। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसे देखकर युवक भाग निकले। पुलिस ने चोटिल बस चालक को सीएचसी पहुँचाया जहां उसका इलाज हुआ। कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है चालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

यूपी विधानसभा की कार्यमंत्रणा समिति और सर्वदलीय बैठक आज

लखनऊ संवाददाता। यूपी विधानसभा की कार्यमंत्रणा समिति और सर्वदलीय बैठक अब से कुछ ही देर में विधानभवन में होगी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की ओर से भोज भी दिया जाएगा। बैठक में सदन को चलाए जाने के बाबत समिति के सदस्यों के साथ बैठक होगी। सतीश महाना 12रू30 बजे सर्वदलीय बैठक करेंगे जिसमें सभी दलों के सदस्यों से सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए अनुरोध भी किया जाएगा। साथ ही उनके सुझावों को भी लिया जाएगा। मानस विवाद भी उठेगा रविवार को ही सदन के अंदर अपनी रणनीति तय करने के लिए मुख्य विपक्षी दल सपा के अलावा सुभासपा और अन्य दलों ने अपनी बैठक भी बुलाई है। सपा रामचरित मानस को लेकर उठे विवाद को सदन के अंदर प्रमुखता से उठाएगी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सदन के अंदर 'विवादित' चौपाई सुनाने के लिए कहेंगे। इसके अलावा जातीय जनगणना, गन्ना मूल्य, छुट्टा जानवर, कानपुर देहात प्रकरण और सामाजिक न्याय भी सदन के भीतर उठाए जाने वाले अहम मुद्दे होंगे।

बसपा का गाँव चलो अभियान की बैठक ग्राम पंचायत लालपुर में

महबूबगंज,अयोध्या स गोशाईगंज विधान सभा 276 ग्राम पंचायत लालपुर के मजरे वजीरपुर मे बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर पार्क में चलो गाँव की ओर अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया स जिसमें सभी नये पदाधिकारियो का जोरदार स्वागत किया गया स इस अवसर पर गोशाईगंज विधान सभा 276 के विधान सभा उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार गौतम , रविंद्र भारती विधान सभा अध्यक्ष के साथ ग्राम पंचायत लालपुर के सैकड़ो लोग मौजूद रहे स इस अवसर पर मुख्य अतिथि रवि प्रकाश मौर्य, प्रदीप कुमार भारती,ओम प्रकाश गौतम, वीरेंद्र कुमार, सहित कई लोग ने अपने विचार व्यक्त किया स सर्व सम्मति से वीरेंद्र कुमार को सेक्टर अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिनका लोगों ने जोरदार स्वागत किया स ग्राम प्रधान शेर अली को सेक्टर महा सचिव बनाया गया स अरुण कुमार को सेक्टर सचिव का नया पद भार सौपा गया है स राकेश कुमार, अमरीश कुमार, बासुदेव, फूलचंद, ग्राम प्रधान शेर अली, मो0 तौफीक अहमद , मनी राम, संतराम राव, रामशंकर, दिनेश कुमार, सभाजीत, सुरजीत, राम जनम, जियालाल बच्चाराम, संतोष शर्मेंद्र कुमार, राजेश कुमार, अमरजीत, राम सिंह, सुरेश, आशाराम, नन्हे लाल, विकास, राजेंद्र प्रसाद, विजय कुमार, सुनील कुमार, मिथलेश, विमला, सावनी, रीता देवी, मीना, कलावती, सोनी, मुकेश , रामकरन, रामनयन, अशोक कुमार, विनोद कुमार,

दशरथदीन, जयचंद, राम उजागिर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, फूलचंद, हरिश्चंद्र सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे स कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेंद्र कुमार गौतम ने किया व संचालन झारखंड जी ने कियां।

उद्यमी स्वावलंबन योजना से होगा किसानों को लाभ : डॉ संजय कुमार त्रिपाठी
वन स्टॉप शॉप के लिए मांगे गये आवेदन, अंतिम तिथि 20 फरवरी को

अयोध्या। किसानों को एक ही स्थान पर सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वन स्टॉप शॉप की व्यवस्था कृषि विभाग द्वारा की जा रही है स जिसके तहत किसानों से संबंधित सभी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी उक्त जानकारी उप

कृषि निदेशक डॉ संजय कुमार त्रिपाठी ने दी स उन्होंने बताया कि जनपद के किसानों को उनके फसल उत्पादों के लिए प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना एग्रीकल्चर 2022 का क्रियांवयन में किया जा रहा है जिसमें वन स्टॉप शॉप के माध्यम से कृषि स्नातक ध कृषि व्यवसायिक ध प्रबंधन स्नातक , स्नातक जो कृषि एवं सहबद्ध विषय ध तथा उद्यान , पशुपालन , वानिकी , दुग्ध, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन एवं आईएसएआर तरह की गतिविधियों जो किसी राज्य केंद्रीय विश्व विद्यालय या अन्य विश्व विद्यालय जो आईसीए आरध यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त लाभार्थियों का चयन किया जाना है जनपद में कुल 11 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है चयनित लाभार्थियों के लिए निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी एग्रीजंक्शन केन्द्र विभिन्न सेवाओं को एक छत के नीचे उपलब्ध किये जाने की सुविधा प्रदान कारेंगे स जिसमें उच्च गुणवत्ता के बीजध उर्वरक जैव , उर्वरक, मैक्रॉन्यूट्रिएंट , वर्मी कंपोस्ट किटनाशक् तथा जैव कीट नाशको सहित कृषि निवेश की आपूर्ति, प्रसार सेवाएं तथा कृषि क्षेत्र निर्देशन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर संस्तुत उर्वरक एवं खाद की संतुलित मात्रा के बारे में किसानों को जागरूक करना , लघु कृषि यंत्रों को किराए पर उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था, नवीन तकनीकी की जानकारी, विभिन्न कृषि योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में परामर्श सेवाये दिये जाने एव प्रचार हेतु एग्रीजंक्शन केंद्रों पर एलसीडी के लगाये जाने की व्यवस्था उक्त की अतिरिक्त कृषि केंद्रों पर कृषि उपकरणों की मरम्मत तथा निरीक्षण , पशु आहार कृषि उत्पादों एवं प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों का विक्रय मौसम विपणन संबंधित सूचनाएं जो सूचना विज्ञान नियोजन की स्थापना कराया जाएगा स कृषि प्रशिक्षित उद्दमियों को निम्न सुविधाएं प्रदान की जायेगी एग्रीजंक्शन चयनित लाभार्थियों को उद्यम स्थापना एवं संचार हेतु निशुल्क प्रशिक्षण कृषि प्रशिक्षित उद्यमियों के उद्देश्य के लिए बैंकों से ऋण प्राप्त करने में सहायता तथा 7.5: की दर से ब्याज अनुदान की व्यवस्था यह अनुदान बैंक की बैंक सब्सिडी के रूप में रखा जायेगा तथा वर्ष की समाप्ति पर ऋणी के खाते में क्रेडिट कर दिया जायेगा स एक वर्ष तक के लिए परिसर की करे के लिए 50: की धनरशि जो 1000 रुपये से अधिक न हो स कृषि व्यवसायिक गतिविधियों के लिये लाइसेंस प्राप्त करने में सहायता तथा लाइसेंस फीस की प्रतिपूर्ति की जायेगी स चयन की प्रक्रिया के लिये आवेदन द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा स पात्रता के लिए उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले कृषि स्नातकध कृषि व्यवसायिकध प्रबंधन स्नातक ध्स्नातक जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों यथा उद्यान, पशुपालन, वानकी ,दुग्ध, पशु, मुर्गी पालन जो किसी राज्य केंद्रीय विश्व विद्यालय या किसी अन्य विश्व विद्यालय जो आईसीएआरध यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त हो पात्र होंगे स इसके अतिरिक्त अनुभव प्राप्त डिप्लोमा धारी कृषि विषय में इंटरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर विचार किया जायेगा स आवेदन पत्रों के प्रारंभिक छटनी जिला स्तरीय समिति द्वारा की जायेगी जिसके उपरांत प्रकाशित किया जायेगा एवं समिति द्वारा शासनादेश में आयु सीमा के मानक के दृष्टिगत चयन सुनिश्चित किया जायेगा साथ में जनपद के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 50 प्रतिशत लाभार्थियों का चयन किया जायेगा स चयन के उपरांत लाभार्थी शपथ पत्र प्रस्तुत करेंगे जिसमें यह घोषणा होगी की तीन वर्ष तक उनके द्वारा वन स्टाप शॉप की स्थापना किया जायेगा अन्यथा की स्थिति में कृषि विभाग की समस्त योजनाओं से उन्हें प्रतिबंधित कर दिया जायेगा तथा उन पर किये गये व्यय कि विभाग दरों पर वसूली की जायेगी स चयनित लाभार्थी का शपथ पत्र प्रस्तुत न करने की स्थिति में प्रतिक्षा सूची के लाभार्थियों को अवसर दिया जायेगा स इस समिति में 4 सदस्य होगे स जिला स्तर पर निम्न समिति का गठन किया गया है जिलाधिकारी ध्मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्ष होंगे, उप कृषि निदेशक सदस्य सचिव होंगे, इसके अलावा एलडीएम एवं सचिव सदस्य मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला सहकारी बैंक लिमिटेड सदस्य होगा स 40 वर्ष से अनाधिक अनुसूचित जाति जनजाति के महिलाओं को 5 वर्ष की छूट अधिकतम छूट होगी स योजना लागत 600000 रुपये तथा 500000 मार्जिन मनी 1 लाख प्रोजेक्ट लागत का 17: ऋणी आवेदक द्वारा अभिदान किया जायेगा स अनुदान व्यवस्था जनपद के समस्त विकासखंडों में एक एक कृषि उद्धामिता केंद्रों की स्थापना की जायेगी स जिसमें अधिकतम रुपये 60000 सहायता देय होगी स प्रशिक्षित उद्दमी कृषि निवेशों की आपूर्ति एवं अन्य क्रियाकलाप के लिए अनुमन्य अनुदान प्राप्त करने हेतु मान्य होंगे स अयोध्या जनपद के कृषि स्नातक कृषि व्यवसायिक प्रबंधन स्नातक स्नातक जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों के साथ पशुपालनध वानकी ध दुग्ध ध्पशु चिकित्सा ध मुर्गी पालन एवं गतिविधियों को किसी राज्य केंद्रीय विश्वविद्यालय जो आई सी ए आरध यू जी सी द्वारा मान्यता प्राप्त युवाओं से आग्रह है की जल्द से जल्द कृषि निदेशक अयोध्या कार्यालय में अपना आवेदन करना सुनिश्चित करें स आवेदन की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2023 है।

महाशिवरात्रि पर्व पर धूमधाम से निकली शिव बारात। वरिष्ठ भाजपा नेता शरद पाठक बाबा

अयोध्या महाशिवरात्रि पर्व पर धूमधाम से निकाली गई शिव बारातरामनगर कॉलोनी से सिंधी समाज के लोगों ने निकाली शिव बारात। बड़ी संख्या

में सिंधी समाज के लोगो ने ढोल–नगाड़े और शहनाई की धुन में झूमते नाचते शिव की बारात मे हुए लीन।शिव बारात में अयोध्या से भावी मेयर प्रत्याशी अनीता, शरद पाठक बाबा अपने समर्थकों के साथ हुए शामिल।दतिया,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ से आए सिंधी समाज के लोग भी हुए शामिल।रामनगर से निकलकर सिंधी समाज प्राचीन शिवालय मंदिर तक निकाली गई शिव बारात।शिव बारात के मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता शरद पाठक बाबा ने सभी जनपद वासियों को महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं और दी बधाई।

थाना परसपुर में 20 मोटरसाईकिल की हुई नीलामी

गोण्डा। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षण परसपुर द्वारा न्यायालय से आदेश प्राप्त कर आदेश के अनुपालन में

उपजिलाधिकारी करनैलगंज द्वारा नायब तहसीलदार रोहित कुमार को नीलामी हेतु अधिकारी नामित किया था। थाना परसपुर में धारा 207 एमबी एक्ट के अन्तर्गत दाखिल 20 अदद मोटरसाईकिलों का नीलामी कर निस्तारण कराया गया। नीलामी से प्राप्त धनराशि (कुल ध्31919)को राजकीय कोष में जमा करने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

मानवाधिकार परिवार ने जन जागरूकता चौपाल का किया आयोजन

गोण्डा। भारतीय मानवाधिकार परिवार के संरक्षक डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के निर्देश पर रविवार को मिशन 2024 जन जागरूकता चौपाल का आयोजन खरगूपुर के पुरानी बाजार में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मानवाधिकार परिवार के प्रदेश संगठन मंत्री मोहम्मद उमर समीर ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के कुशल नेतृत्व में भारत पूरे विश्व में नाम रोशन कर रहा है। तुर्की व सीरिया के आपदाग्रस्त राष्ट्र में भारत सरकार की राहत पहल का पूरी दुनिया ने लोहा माना है। देश में 80 करोड़ गरीब जनता को बिना भेदभाव उपलब्ध कराया जा रहा निरूशुल्क खाद्यान्न मोदी जी के कुशल नेतृत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार परिवार के संरक्षक डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आह्वान पर मानवाधिकार परिवार की ओर से जन जागरूकता चौपाल मिशन 2024 के आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शहरों व गांवों में बूथ स्तर पर चौपाल लगा कर भाजपा सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर जनता को जागरूक क्या जाएगा। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश कुमार अवस्थी का संदेश पढ कर मिशन 2024 को सफल बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता अब्दुल हफीज, हाफिजुर रहमान उर्फ छोटू मिस्त्री, मोहम्मद कैफ, सिराज अली समेत पदाधिकारी मानवाधिकार परिवार के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केन्द्र में 02 जोड़ा एक साथ रहने को हुआ राजी

गोण्डा। रविवार जनपद गोण्डा के पुलिस लाइन सभागार में आयोजित परिवार परामर्श केन्द्र में पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर के निर्देशन में परामर्शदाताओं ने बिछुडे जोड़ो की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण

किया गया तथा 02 जोड़े को समझाबुझाकर सुखी जीवन जीने हेतु राजी कर लिया गया। परिवार परामर्श केन्द्र में उपस्थिति सदस्यगण उ0नि0 शेषमणि पाण्डेय, श्री गंगाधर शुक्ल,श्री संतोष ओझा, श्री यशोदानंद त्रिपाठी, श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, मा0आरक्षी ज्योति राजभर, मा0आरक्षी नेहा सिंह आदि मौजूद रही।

महिलाओं को पूछताछ के लिए थाने बुलाने वालों पर होगी कार्रवाई, बेवजह गिरफ्तारी की भी मनाही

लखनऊ संवाददाता। बेवजह गिरफ्तारी करने और महिलाओं, बुजुर्गों व नाबालिगों को थाने में बुलाकर पूछताछ की प्रवृत्ति को लेकर शासन ने सख्त रुख अपनाया है। डीजीपी डीएस चौहान ने मातहतों को निर्देश दिए हैं कि जब तक किसी मामले में पुख्ता साक्ष्य न हों, संदेह के आधार पर गिरफ्तारी न की जाए। डीजीपी ने इन निर्देशों का पालन नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सात साल से कम सजा वाले मामलों में होने वाली गिरफ्तारी, पूछताछ के नोटिस आदि को लेकर सभी राज्यों की पुलिस को निर्देश जारी करने और इसका अनिवार्य रूप से पालन

कराने को कहा है। इसके मुताबिक महिलाओं, नाबालिगों, 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों और मानसिक या शारीरिक रूप से निशक्त व्यक्ति को उसके निवास स्थान के अलावा कहीं और पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जाएगा। जांच में यदि कोई संज्ञेय अपराध प्रकट नहीं होता है, तो ऐसे व्यक्ति से मजिस्ट्रेट के न्यायालय में हाजिर होने की अपेक्षा नहीं की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति को धारा 41 के तहत नोटिस देकर बुलाया जाता है तो जांच अधिकारी के सामने पेश होने पर वह पावती के लिए अनुरोध कर सकता है। यदि उसे पुलिस थाने की जगह किसी अन्य स्थान पर बुलाया जाता है तो वहां एक स्वतंत्र साक्षी होना चाहिए। यदि किसी कारणवश वह नियत तिथि पर उपस्थित नहीं होता है तो उसे जांच अधिकारी अधिकतम चार दिन का अतिरिक्त समय दे सकता है।

परिजनों, महिला पुलिस की मौजूदगी जरूरी

महिलाओं से पूछताछ के लिए थाने पर नहीं बुलाया जाएगा। पूछताछ उसी जगह करनी होगी, जहां महिलाएं रहती हैं। इस दौरानपरिजनों और महिला पुलिस की उपस्थिति अनिवार्य होगी। वहीं बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों से उसके परिवार के सदस्यों, संरक्षकों अथवा किशोर कल्याण अधिकारियों की उपस्थिति में ही पूछताछ की जा सकेगी।

राधाकृष्ण के तीन मंदिरों का अस्तित्व मिटा बना दीं इमारतें, शत्रु संपत्तियों की खोज में सामने आया मामला

कानपुर संवाददाता। कानपुर के बेकनगंज स्थित राम जानकी मंदिर को शत्रु संपत्तियों के नाम पर कब्जा करने के बाद अब इसी क्षेत्र में राधाकृष्ण के तीन ऐसे मंदिरों का पता चला है, जिसका अस्तित्व मिटाकर

उसकी जमीन पर कई मंजिला इमारतें बना दी गई हैं। इस संबंध में शत्रु संपत्ति संरक्षण संघर्ष समिति की ओर से एक रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसे प्रशासन को भेजा जा रहा है।समिति के अध्यक्ष शफीकउल्ला गाजी ने अपनी रिपोर्ट में इस पूरे मामले में नई सड़क बवाल में आरोपी बनाए गए मुख्तार बाबा व उनके रिश्तेदारों की मिलीभगत बताई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि यदि इसमें स्थित शत्रु संपत्तियों की जांच कराई जाए तो अभी कई और मंदिरों के अस्तित्व का पता चलेगा। बताया कि बेकनगंज में राधाकृष्ण महाराज के जो तीन मंदिर सामने आए हैं, उसके रखरखाव व देखरेख का जिम्मा प्रबंधक खारूलाल, श्यामलाल और चुन्नीलाल का रहा है। इसके पूरे दस्तावेज भी मौजूद हैं।अब इन दस्तावेजों को रजिस्ट्री के उन कागजातों से मिलाने की तैयारी की जा रही है, जिन लोगों ने हेराफेरी करके इन जमीनों की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली है। समिति की ओर से इस क्षेत्र में स्थापित मंदिरों और शत्रु संपत्तियों का 1927 से लेकर अभी तक के दस्तावेजों का मुआयना किया गया है, जिसमें बताया गया है कि बड़े पैमाने पर कागजों में हेराफेरी की गई है। यह भी आरोप है कि इस हेराफेरी में मुख्तार बाबा के अलावा एक दर्जन से अधिक लोग शामिल हैं, जो मुख्तार से जुड़े बताए जाते हैं।

चोरों को श्रमिकों ने पकड़ा

कर्नलगंज गोंडा। भटठे पर कार्य कर रहे श्रमिकों के आवास में चोरी करने गए चोर को श्रमिकों ने पकड़ लिया। उसके पास पूर्व में चोरी गई बालिका का स्कूली आईकार्ड व साईकिल बरामद हुआ। मामला ग्राम सकरौरा ग्रामीण के मजरा भिम्भा पुरवा व उमरिया ईंट भटठा से जुडा है। भिम्भा पुरवा निवासी अनवर ने मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से आनलाइन तहरीर दिया है। जिसमें कहा गया है कि वह उमरिया में संचालित भारत ईट भटठा पर बतौर मैनेजर कार्य कर रहा है। बीते 16 फरवरी की देर शाम अपने परिवार के सदस्यों के साथ भोजन करके मकान में सो रहा था। रात्रि के समय अज्ञात चोर छत से जीना के रास्ते उसके घर में पहुंच गए। और घर में रखा उसके पुत्री का स्कूली आई कार्ड, 2600 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन, एक बोरी चावल व पड़ोसी की एक साइकिल चोरी कर ले गए। उसने कोतवाली में तहरीर दिया मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। शनिवारध्रविवार की रात्रि में चोर उमरिया ईंट भट्ठा पर कार्य कर रहे श्रमिकों के आवास में चोरी करने पहुंच गए। जिसमें से एक चोर को श्रमिकों ने पकड़ लिया। चोर के पास पूर्व में चोरी गया उसके पुत्री का स्कूली आई कार्ड व पड़ोसी की साइकिल बरामद हुई। उसने कोतवाली कर्नलगंज की पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस चोर को कोतवाली लेकर चली गई। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया है। उसने अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई किये जाने की मांग की है। कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में पूछताछ की जा रही है।

कांग्रेस में गुटबाजी हावी, नगर अध्यक्ष के खिलाफ खोला मोर्चा, लगाए ये गंभीर आरोप

कानपुर संवाददाता। कानपुर में निकाय चुनाव से पहले शहर कांग्रेस के भीतर घमासान मच गया है। पार्टी के उत्तर क्षेत्र के युवा कांग्रेस अध्यक्ष फजलुर्रहमान (जीशान) अंसारी ने पार्टी के नगर अध्यक्ष उत्तर नौशाद आलम मंसूरी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को पत्र लिखकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा है कि नौशाद आलम अपने खास लोगों के माध्यम से पार्षद प्रत्याशी का टिकट बेच रहे हैं इसके साथ ही उन्होंने मंसूरी द्वारा पार्टी के पुराने नेताओं व फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों से किए जा रहे दुर्व्यवहार को लेकर भी पार्टी अध्यक्ष को कार्यवाही की मांग की है।

इन्वेस्टर्स समिट के उद्यमियों को मंत्री ने किया संबोधित

बस्ती। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग मंत्री राकेश सचान ने कहा है कि सरकार ने निवेश आकर्षित करने के लिए 25 नीतिया तैयार करके औद्योगिक विकास के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाये है। कलेक्ट्रेट सभागार में इन्वेस्टर समिट के उद्यमियों को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र व जनपद में निवेश हुआ है। निवेश सारथी पोर्टल के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश में 33.52 लाख करोड के कुल 19250 एमओयू हस्ताक्षर हुए है।उन्होने बस्ती के उद्यमियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बस्ती भी इस मामले में पीछे नही रहा और रू0 13681.25 लाख करोड़ के 191 उद्यमियों ने एमओयू साइन किया है। उन्होने कहा कि इन निवेशों के माध्यम से लगभग 94 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगा। उन्होने कहा कि आगामी 6 माह में प्रदेश में कुल 10 हजार लाख करोड़ रूपये के उद्योग स्थापित कराने का लक्ष्य है।

उन्होने कहा कि इसके लिए सभी विभागों में प्रमुख सचिव को नोडल नामित किया गया है। जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एमओयू कार्यान्वयन इकाइ स्थापित की गयी है। प्रत्येक माह वे स्वयं भी जिले में आकर प्रगति की समीक्षा करेंगे। उन्होने कहा कि औद्योगिक नीति के तहत प्रदेश के सभी जनपदों में उद्यमियों को एक समान सुविधा प्रदान की जायेंगी।उन्होने उद्यमियोंदनिवेशको से अपील किया कि उद्योग स्थापना में सक्रिय भूमिका निभाये। किसी प्रकार की दिक्कत होने पर तत्काल जिलाधिकारी एंव उपायुक्त उद्योग के संज्ञान में लाये। पोर्टल सारथी पर आवेदन करने पर 72 घण्टे के अन्दर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त होंगा। उन्होने उद्यमियोंध निवेशको की समस्याओं को सुना।

चेम्बर्स आफ कामर्स के अध्यक्ष अशोक सिंह ने रिंगरोड के आस–पास औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का अनुरोध किया।

जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने बताया कि बस्ती विकास महायोजना में इस प्रस्ताव को शामिल किया जायेंगा। आईडीए के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि जनपद के औद्योगिक आस्थानों पर विद्युत आपूर्ति की समस्या है। इस संबंध में मंत्री महोदय ने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत तथा उपायुक्त उद्योग को प्रस्ताव बनाकर भेजने का निर्देश दिया है।उन्होने कहा कि एम.एस. एम.ई. पार्क विकसित किए जाने की योजना है। उद्यमी द्वारा उद्योग स्थापना के लिए भूमि खरीदने पर स्टाम्प शुल्क नही देना होगा तथा अवस्थापना संबंधी व्यय का 50 प्रतिशत सरकार द्वारा वहन किया जायेंगा। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने वाल्टरगंज चीनी मिल की बकाये गन्ना मूल्य एंव कर्मचारियों का वेतन दिलाने का अनुरोध किया। सांसद हरीश द्विवेदी तथा विधायक अजय सिंह ने अयोध्या जनपद को उद्योग स्थापना में मिल रही सुविधा को बस्ती में भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने मंत्री का स्वागत करते हुए जनपद में इन्वेस्टर समिट की उपलब्धियों से उन्हें अवगत कराया। बैठक में पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव, सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति, एडीएम कमलेश चन्द्र, डीडीओ अजीत श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, विधायक प्रतिनिधि मो0 सलीम, फूल चन्द्र श्रीवास्तव, गुलाब चन्द्र सोनकर, हरीश सिंह, महेश शुक्ला, उद्यमीधनिवेशक हरीश चन्द्र शुक्ल, सभाजीत शुक्ला, विभागीय अधिकारी तथा उद्यमीधनिवेशक उपस्थित रहे।

सम्मानित किए गये निवेशक

इन्वेस्टर समिट की समीक्षा बैठक में मंत्री राकेश सचान ने 2023 में निवेश करने वाले उद्यमियों सुधीर जायसवाल, विनोद कसौधन, आर.बी.एस. श्रीवास्तव, सुनीता सिंह, उमा श्रीवास्तव, रामाज्ञा चौधरी, माधुरी सिंह, एस.के. मालवीय, शिव प्रसाद, हृदयराम चौधरी, सुशील कुमार चौधरी, अमरजीत, हेमन्त सिंह, जीतेन्द्र पाण्डेय, ऋषी अग्रवाल को बुके तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा उद्यमियों को दोना पत्तल बनाने की मशीन का निःशुल्क वितरण किया।

साइबर सुरक्षा पर नीति लाएगी यूपी सरकार, मसौदा तैयार करने के लिए समिति का गठन

लखनऊ संवाददाता। गृह, वित्त, ऊर्जा व सूचना प्रौद्योगिकी सहित सभी विभागों के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश सरकार साइबर सुरक्षा नीति लाएगी। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश की साइबर सुरक्षा नीति ऐसा मॉडल स्थापित करे जो जी–20 देशों के डिजिटल इकॉनमी वर्किंग ग्रुप के लिए भी मिसाल बने। प्रदेश में सोशल मीडिया और फोन कॉल के जरिए प्रतिदिन साइबर अपराध की घटनाएं हो रही हैं। बीते दिनों में कुछ सरकारी महकमों की साइट हैक करने के मामले भी सामने आए थे। इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार साइबर सुरक्षा नीति लेकर आ रही है। नीति का मसौदा तैयार करने के लिए आईआईटी कानपुर, पुलिस, एकेटीयू, यूपीडेस्को, यूपीएलसी और सेंटर फॉर ई गवर्नेंस के तकनीकी विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित की गई है।कमेटी ने सरकारी महकमों के क्रिटिकल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित रखने के लिए फायर वॉल तैयार करने, सिस्टम में एंटी वायरस अपलोड करने, डाटा हैक होने पर तुरंत सभी महकमों को सूचित करने, हैक हुई सूचना को तुरंत रिकवर करने जैसे मुद्दों पर प्रस्ताव तैयार किया है। प्रदेश सरकार इसके लिए केंद्र सरकार के कम्प्यूर इमरजेंसी रेस्पांस टीम (सर्ट इन) के साथ भी समन्वय करेगी। सूत्रों का कहना है कि बीते दिनों लखनऊ में आयोजित जी–20 की डिजिटल इकॉनमी वर्किंग ग्रुप की बैठक में एमएसएमई में साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में साइबर सिक्योरिटी में जो विषय सामने आए हैं, उन्हें भी इस नीति में शामिल किया जाएगा, ताकि नीति जी–20 समिट के जरिए देश में मिसाल बने। आगामी दिनों में नीति का मसौदा जनता के सुझाव के लिए जारी किया जाएगा। मार्च में नीति जारी की जाएगी।

सी सर्ट का गठन होगाकेंद्र सरकार की सर्ट इन की तर्ज पर यूपी के लिए सी सर्ट (स्लॉवेनियन कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पांस टीम) का गठन होगा। सी सर्ट विभागीय डाटा सुरक्षित रखने के साथ ऑनलाइन टेंडर, ऑनलाइन आवेदन, ऑनलाइन भुगतान और ऑनलाइन परीक्षाओं की भी निगरानी करेगी। प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक सभी विभागों को साइबर सिक्योटिरी के प्रति अलर्ट रखा जाएगा।

मड़ौली कांड को लेकर आप पदाधिकारियों ने किया बुलडोजर हवन

कानपुर देहात संवाददाता। मड़ौली में बुलडोजर से अतिक्रमण हटाने में हुई मां–बेटी के जलने के मामले में हमीरपुर जिले में आम आदमी पार्टी ने बुलडोजर का हवन कर विरोध जताया है। रविवार सुबह कस्बा मौदहा के स्टेशन रोड स्थित आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता के आवास पर पार्टी पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसके बाद पार्टी पदाधिकारियों ने कानपुर देहात की घटना में मृतक मां–बेटी को श्रृद्धांजलि देने के साथ ही यज्ञ कर बुलडोजर की आहूति दी। जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया कि इस दौर में बुलडोजर का ऐसा क्रेज चल रहा है जो सही या गलत नहीं देख रहा।

आज प्रेस क्लब अयोध्या में भारतीय मजदूर संघ अयोध्या जिला का अधिवेशन सम्पन्न हुआ !

अयोध्या अधिवेशन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्री सत्य प्रकाश श्रीवास्तव जी ने की ! अधिवेशन में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री आलोक सिंह रोहित, भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष श्री विशेश्वर राय जी, प्रदेश संगठन मन्त्री श्री राम निवास सिंह जी, भारतीय मजदूर संघ अवध प्रान्त मन्त्री श्री राय प्रदीप चन्द्र जी एवं विभाग प्रमुख श्री जय प्रकाश सिंह जी उपस्थित रहे ! अधिवेशन में भारतीय मजदूर संघ अयोध्या से सम्बद्ध विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में वर्तमान जिला कार्यकारिणी को भंग करके नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया !

नई कार्यकारिणी में संरक्षक श्री सत्य प्रकाश श्रीवास्तव जी, अध्यक्ष श्री अंबरीश सिंह जी, उपाध्यक्ष श्री मुकेश पाण्डेय जी, श्री जितेंद्र प्रताप सिंह जी , श्रीमती खुक्कू चौधरी जी, मन्त्री श्री सुजीत कुमार पाण्डेय जी, सह मन्त्री श्री जी एन पाण्डेय जी, संगठन मन्त्री श्री राम प्रकाश कनौजिया, श्री शुभम सिंह जी, कोषाध्यक्ष श्री विवेक

जायसवाल एवं सह मन्त्री श्री आशीष श्रीवास्तव को चुना गया!

किसानों को जागरूक करना हमारी जिम्मेदारी : शैलेंद्र कुमार द्विवेदी

ग्राम पंचायत समंथा में हुआ किसान चौपाल का आयोजन

मया बाजार, अयोध्या स शासन की मंशा के अनुरूप कृषि विभाग द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में किसानों चौपाल का आयोजन किया जा रहा है स जिसके क्रम में ग्राम पंचायत समंथा में कंपोजिट विद्यालय समंथा मे ग्राम प्रधान बंशीधर की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत की समस्याओं से रू – बरू कराने के लिए बैठक का आयोजन किया गया स किसानों चौपाल के आगे के क्रम में पूर्व मे किये गये कार्यवाही का अनुमोदन एवं समर्थन किया गया स बैठक में ग्राम पंचायत मे जन्म व मृत्यु पर विचार किया गया, कृषि विभाग के कर्मचारी शैलेंद्र कुमार द्विवेदी द्वारा कृषि यंत्र, किसान सम्मान निधि बीज वितरण, कीटनाशक व समूह को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु कृषि विभाग से जुड़ने की विस्तृत जानकारी दी स श्री द्विवेदी ने बताया कि किसानों को किसान सम्मान निधि के लिए शासन द्वारा ईकेवाईसी का कार्य बैंकों द्वारा किया जा रहा है जिसको सभी किसान बैंक व जन सेवा केन्द्र पर जाकर करा लें स किसान सम्मान निधि की सूची को पढ़कर सुनाया गया स सामुदायिक शौचालय की देखरेख करने हेतु जिस समूह का चयन किया गया था केयर टेकर के रूप में चयन किया गया था उपस्थित लोगों का समूह सखी माधुरी ने बताया की वार्तमान समय में समूह जय माता दी समूह कोई कार्य नहीं कर रहा है स उनके स्थान पर दूसरे समूह को केयर टेकर की भूमिका के रूप में जिम्मेदारी दी जाए ग्रामीणों के राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई स इस अवसर पर रोजगार सेवक गोमती , पंचायत सहायक प्रिंस, शिव कुमार यादव, मोतीलाल, ग्राम प्रधान बंशीधर , हुमैरा ग्राम सचिव, वरिष्ठ प्रविधिक सहायक शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी ,मनोज कुमार सहित दर्जनों की संख्या में किसानों मौजूद रहे।

भोले की बरात में झूमे भूत–पिशाच, नर–नारी

लखनऊ संवाददाता। महाशिवरात्रि पर राजधानी शिवमय हो गई। मंदिरों से लेकर घरों में जहां भगवान भोलेनाथ की विधि–विधान से पूजा की गई तो वहीं शिव बरात में पहुंचे भूत, पिशाच, नर–नारी संग हर हर बम बम का उद्घोष गूंजता रहा। शिवालयों में भव्य शृंगार हुआ तो वहीं भस्म आरती से भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के जतन श्रद्धालुओं ने किए। झिलमिलाती लाइटों से सजे शिव मंदिरों की खूबसूरती शोभा बढ़ा रही थी। राजधानी के प्रमुख शिव मंदिरों में दर्शनों के लिए दूर–दूर तक भक्तों की लंबी लाइनें लगी रहीं। थाली में भांग, धतूरा, नारियल और आस्था के फूलों के साथ भक्तों का जमावड़ा लगा रहा था। नरहीं स्थित ज्ञानेश्वर ओम मंदिर में महादेव की बरात में भक्ति में सराबोर बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक ओम नमरू शिवाय के जयकारे लगा रहे थे। शिव भक्ती में सराबोर भक्तों का उल्लास देखने लायक लग रहा था। उदयगंज स्थित कुंएश्वर महादेव मंदिर में शिव जी को विशेष रुप से सजाकर भव्य आरती की गई। अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा के प्रांतीय महामंत्री महेश प्रसाद साहू ने आरती उतारी। शिव बारात शोभायात्रा में भक्तों का स्वागत प्रसाद वितरण से किया गया। यह बरात फतेहगंज से शुरू होकर गणेशगंज नाका हिंडोला गुरुद्वारा रोड, लाटूश रोड कैसरबाग अमीनाबाद रोड होते हुए मंदिर पहुंची जहां भक्तों ने भंडारा चखा। मनकामेश्वर मंदिर में लगीं लंबी कतारें

भोर होते ही से मनकामेश्वर मंदिर के बाहर से डालीगंज पुल तक भक्तों का तांता रात तक लगा रहा। वहीं दूसरी ओर राजधानी के कई शिव मदिरों में रामचरितमानस के पाठ का आयोजन किया गया। डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में भक्तों ने महादेव का भव्य शृंगार कर आरती उतारी। मंदिरों खूबसूरत नाइटिंग से सजाया गया और भोलेनाथ का आकर्षक शृंगार किया गया। आलमबाग स्थित श्री पिप्लेश्वर महादेव ध्यान सांई व शनि मंदिर में 14वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। सुबह महारुद्राभिषेक के साथ शिवजी का शृंगार हुआ। महादेव की बरात में नाचते गाते भक्तों की खुशी माहौल में आंनद घोल रही थी। मेरा भोला है भंडारी...शिव ही सत्य है, शिव ही सुंदर जैसे भजनों पर नाच गा कर भक्तों ने धूम मजा दी। दीपों से सजे मंदिर, शृंगार संग महाआरती कैंट सदर स्थित शिव शक्ति मंदिर में रामचरितमानस का समापन हुआ। 30 कन्याओं ने 1008 दीपों से मंदिर को सजाकर महाशिवरात्रि पर दीपावली जैसा माहौल कर दिया। शृंगार संग महाआरती की गई। कन्याओं के सहयोग से बनी रंगोली परिसर की शोभा बढ़ा रही थी। ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि देर रात तक भक्तों ने भजनों का आनंद लिया। निरालानगर स्थित नर्मदेश्वर मंदिर में महादेव काभस्म, दूध, दही, घी, पंचामृत आदि के शृंगार किया गया। मंदिर अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि कथा का आयोजन किया गया है। शिव आराधना पर झूमते भक्तों ने परिसर में आनंद घोल दिया।

विधि विधान से हुआ माता पार्वती व शिव का विवाह

जमुनहा श्रावस्ती। महाशिवरात्रि के पर्व पर जमुनहा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर गाजे बाजे व भूत पिशाच के संग भगवान शिव की बारात निकाली गई। जहां देर रात्रि को विधि विधान से माता पार्वती के साथ विवाह सम्पन्न हुआ।

महाशिवरात्रि पर्व पर शनिवार की देर रात्रि को जमुनहा बाजार के श्रीराम जानकी मंदिर से मंदिर के संरक्षक हरीश जायसवाल गांधी व अध्यक्ष रामू हिन्दुस्तानी के नेतृत्व में भगवान शंकर को बारात निकली। बारात में युवाओं ने भक्ति गीतों पर अबीर गुलाल उड़ाते हुए जमकर डांस किया। यहां से बस स्टैंड चौराहा, कटहल लाइन, गांधी चौक, भरत मिलाप तिराहा, रानीपुरवा, वासुदेव चौराहा, होलिका दहन स्थल से होते हुए जमुनहा गांव स्थित मंदिर पर बारात पहुंची। जहां ग्रामवासियों व श्रीगणेश पूजा कमेटी के सदस्यों ने अबीर गुलाल के साथ पुष्प वर्षा कर बारातियों का भव्य स्वागत किया। इसके बाद महिलाओं द्वारा पचरा, विवाह गीत गाते हुए शिव पार्वती का विवाह हुआ। एक दूसरे को वरमाला पहनाते ही भगवान व माता के जयकारों से क्षेत्र गुंजायमान हो गया। इस दौरान बारातियों ने विभिन्न व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

इसी प्रकार बरगदहा, वीरगंज आदि स्थानों पर भी शिव पार्वती विवाह के साथ विभिन्न भक्ति झांकी दिखाई गई। इस मौके पर पारसनाथ मौर्य, हिमांशु गुप्ता, विशाल गुप्ता,कन्हैया गुप्ता, गौरव गुप्ता, नंदू वर्मा, अरविन्द वर्मा, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक रामपाल यादव पुलिस बलों के साथ सुरक्षा को मौजूद थे।

प्रयागराज महाकुंभ–25 से पहले गंगा पर्यटन परिपथ विकसित करने की तैयारी

लखनऊ संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पर्यटन विकास को गति देने की कोशिश में जुटे पर्यटन विभाग ने आगामी वित्तीय वर्ष 2023–24 में पांच नई परियोजनाओं का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा है। इसमें 2025 में होने वाले प्रयागराज महाकुंभ से पहले गंगा पर्यटन परिपथ विकसित करने का प्रस्ताव मुख्य है। इससे प्रदेश में पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।पर्यटन विभाग के सूत्रों के अनुसार प्रयागराज महाकुंभ व गंगा पर्यटन परिपथ के अलावा हापुड़ में शुक्र तीर्थ, बुद्धिस्ट सर्किट व बुंदेलखंड सर्किट के लिए भी बजट प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है। महाकुंभ में आने वाले देशी–विदेशी पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए 10 करोड़ की मांग की गई है। इसी तरह गंगा किनारे के कई जिले पर्यटन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं। इसे देखते हुए प्रदेश में गंगा जहां से प्रवेश करती हैं और जहां तक जाती हैं अर्थात बिजनौर से बलिया तक पूरे क्षेत्र को कवर करते हुए गंगा पर्यटन परिपथ बनाने का प्रस्ताव है। इस परिपथ पर जहां पहले से पर्यटन सुविधाएं हैं उन्हें और बेहतर करने के साथ–साथ नए गंतव्य भी शुरू किए जाएंगे। हापुड़ में शुक्रतीर्थ को विकसित करने का भी 10 करोड़ का प्रस्ताव दिया गया है। इसी तरह बुद्धिस्ट सर्किट और बुंदेलखंड में पर्यटन विकास को गति देने के लिए भी 10–10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी/प्रकाशक/मुद्रक अंजनी जायसवाल द्वारा कृष्णा प्रिन्टर्स रानी बाजार, बड़गांव गोण्डा से मुद्रित तथा सतईपुरवा, बड़गांव गोण्डा (उ0 प्र0)पिन कोड–271002 से प्रकाशित सम्पादक राजेश कुमार शुक्ल इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद गोण्डा न्यायालय के अधीन होंगे। मो0 नं0 9565541111 आर0 एन0 आई0 नम्बर UPHIN/2011/40619